International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN :2581-9925(Online), Impact Factor: 7.555, Volume 07, No. 04(I), October - December, 2025, pp. 45-49

# राजस्थान में पर्यटन से आर्थिक विकास की सम्भावना

**कैलाश चन्द्र मीना***

सहायक आचार्य, व्यावसायिक प्रशासन, स्व. राजेश पायलट राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बाँदीकुई, दौसा, राजस्थान।

*Corresponding Author: kailashchandra681@gmail.com

*Citation: कैलाश चन्द्र मीना.(2025). राजस्थान में पर्यटन से आर्थिक विकास की सम्भावना. International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science, 07(04(I)), 45–49.*

## सार

*राजस्थान की रंग बिरंगी संस्कृति, किले, हवेलियाँ, महल और मेलों के साथ यहाँ के त्यौहार रीति–रिवाज परम्पराएँ इसकी खास पहचान है। राजस्थान के आधिक विकास में पर्यटन की कॉफी संभावनाऐं है। राजस्थान को विकसित प्रदेश बनाने की कल्पना को साकार करने के लिए पर्यटन के क्षेत्र में सभावनाएँ बनानी होगी। यदि राजस्थान में पर्यटन क्षेत्र पर ध्यान दिया गया तो इसे बूस्ट मिलेगा और राजस्व और रोजगार में वृद्धि होना तय है। वर्तमान में प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से यहाँ लगभग 10 लाख लोग पर्यटन उद्योग से जुड़े हैं। जैसाकि कुछ साल पहले केन्द्रिय वित्त आयोग के दल ने कहां था कि राजस्थान में पर्यटन से आर्थिक विकास की बहुत अधिक संभावनाऐं है। पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने से इस दिशा में कुछ काम अवश्य हुआ है। पर्यटन के उद्योग बनने से यहाँ इकाइयों को बिजली, पानी, एवं नगरीय विकास दर में लाभ मिल रहा है। लेकिन लाभ मात्र 10 प्रतिशत इकाइयों को उपलब्ध है। इसका दायरा बढ़ाने के लिए विकास को ध्यान में रखकर घोषणाओं की आवश्कता है।*

***शब्दकोशः*** *पर्यटन, आर्थिक विकास, केन्द्रिय वित्त आयोग, राजस्व, रोजगार।*

## प्रस्तावना

मानव जब एक स्थान से दूसरे स्थान की जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से यात्रा करता है, तो वह पर्यटन कहीं जाती है। यह यात्रा अस्थायी रूप से प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, पुरातात्त्विक इत्यादि प्रसिद्ध स्थलों की वास्तविक स्थिति को जानने हेतु की जाती है। जब पर्यटक ऐसी यात्रा करता है, तो वह वहाँ इतिहास, परम्पराऐं रीति–रिवाज, जीवन–शैली, इत्यादि को जानते हेतु जहां–जहां की यात्रा करता है। वहां–वहां वह प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से स्थानीय बाजारों, परिवहन होटल खाने इत्यादि के साथ अन्य आवश्यक सुविधा पर व्यय करता है।

जिससे स्थानीय क्षेत्र एवं अन्य क्षेत्रों आय प्राप्त होती है और क्षेत्र मजबूत होता है। सरकार को करों के माध्यम से राजस्व होता है तथा स्थानीय समुदायों को रोजगार प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त दो देशों के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण बनता है तथा उनके सम्बन्ध मजबूत होते है।

* *Copyright © 2025 by Author's and Licensed by Inspira. This is an open access article distributed under the Creative Commons Attribution License which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work properly cited.*

## राजस्थान में इको, ग्रामीण और धार्मिक पर्यटन से आर्थिक विकास की संभावनाऐं

राजस्थान आने वाले पर्यटको का रिकार्ड बनता ता रहा हैं। सन् 2024 में 25 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2024 तक 2.50 लाख से ज्यादा पर्यटक जयपुर घूमने आये थे। यह आंकडें टूरिस्ट गाईड फेडरेशन ऑफ इण्डिया ने तैयार किये है। सम्पूर्ण राजस्थान में लगभग 15 करोड पर्यटक इस वर्ष घूमने आये है। अब इस प्रदेश में पर्यटन प्रतिवर्ष 25 प्रतिशत की बढोतरी के साथ बढ़ रहा हे। इस वजह से राजस्थान अब ग्रामीण, ईको और धार्मिक पर्यटन नई ऊँचाइयों पर पहुँच रहा है। जयपुर , अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, सवाईमाधोपुर, भरतपुर, अलवर इत्यादि जिले ईको, ग्रामीण एवं धार्मिक पर्यटन के रुप में लोकप्रिय हो रहे है। राजस्थान सकल घरेलू उत्पादन में अब पर्यटन की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत तक पहुँच गयी है। इससे लाखों लोगों को प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रुप से रोजगार के अवसर मिल रहे है।

देश के टॉप–10 राज्यों में हम सातवे स्थान पर वर्ष 2003 के अनुसार देश दुनिया से पर्यटक जयपुर में विश्व प्रसिद्ध आमेर महल, हवामहल कुभंलगढ़ दुर्ग, शेखावाटी की हवेलियों को देखने के लिए प्रतिवर्ष लोग लाखों की संख्या में शामिल होकर आते हैं। वहीं डेजर्ट सर्किट में भी पर्यटक लाखों की संख्या में घूमने आते हैं। इस वर्ष जयपुर में आईकोनिक आमेर जो 14 करोड़ की लागत से तैयार करवाया जा रहा है। जयपुर में तालकटोरा, रामगढ़ बांध, कृष्णा सर्किट, ईसरदा बांध, गोविन्द देव जी, मंदिर, खाटूश्याम मंदिर, नाथद्वारा को धार्मिक पर्यटन के रुप में विकसित किया जा रहा है।

### जयपुर नए पर्यटन क्षेत्र के रूप में उभरेगा

- **जयपुर–विरासत, झील और सफारी एक साथ**

राजस्थान में जयपुर अकेला जिला है जहां विरासत, झील और सफारी का आनन्द एक साथ लिया जा सकता है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के सैलानी लाखों की संख्या में आते हैं।

- **ग्रामीण पर्यटन पर रहेगा फोकस**

राज्य सरकार अब ग्रामीण पर्यटन और धार्मिक पर्यटन पर फोकस कर के चल रही है। इसके लिए सरकार ने ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नीतियाँ बनाकर उनके क्रियान्वयन पर ध्यान देना प्रारम्भ कर दिया है।

- **डेजर्ट सर्किट–साभंर झील व अन्य क्षेत्र**

स्प्रिचुअल सर्किट–सालासर हनुमान मंदिर, घाटके बालाजी, सामोद के हनुमान मंदिर, बंधे के बालाजी, बीजक, जैन नसियों और अंबिका टैंपल, चितौड़गढ़, सांवलियाजी मंदिर इत्यादि इस क्षेत्र में पर्यटन के लिए विकसित किये जा रहे है।

### अजमेर में हाई किंग–ट्रेकिंग और कैपिंग (ईको ट्यूरिज्म)

अजमेर में एक हजार 885 फीट ऊँची अरावली की पहाड़ी पर तारागढ़ वन क्षेत्र फैला हुआ है। साल 2024 में यहाँ हाईकिंग–ट्रेडिंग और कैपिंग की योजना बनाई गई है। पर्यटकों को पहाड़ी इलाकों में घूमने के लिए वार्किंग ट्रेक, पर्वतारोहण और डे–नाइट कैपिंग शुरू की है जिससे यह स्थान सबसे सुन्दर ईको ट्यूरिज्म सेंटर बन सकेगा।

### जैसलमेर में ढोला मारु टूरिस्ट कोम्प्लेक्स

देशी विदेशी पर्यटकों की लिए जैसलमेर में ढोला मारु इरिस्ट कॉम्पलेक्स विकसित होगा। यहां डेजर्टरिसार्ट, कैपिंग, लोक–कला संस्कृति सेंटर, रेस्टोरेंट, फूड बाजार बनाये जा रहे है। ईको टूरिज्म को बढावा देने के लिए जयपुर रोड़, घुघरा घाटी में ग्रीन लंग्स बनाया जा रहा है जो ब्राजील के अमेजन की तरह घने पेड–पौधे लगाकर ऑक्सीजन जोन बनाया जा रहा है।

**बीकानेर ऊट महोत्सव**

बीकानेर में भी अब पर्यटन को बढावा देने के लिए ऊँट दौड़, ऊँट कला बाजी और ऊँट सौन्दर्य जैसी प्रतियोगिताऐं आयोजित कर पर्यटकों की लुभा कर आकर्षित किया जा रहा है।

**पुष्कर डवलपमेंट (अजमेर)**

वाराणसी की तर्ज पर पुष्कर के घाटों के चारों और कॉरिडोर बनने से देशी–विदेशी पर्यटक सरोवर की परिक्रमा लगाने के अतिरिक्त प्राचीन सनातन संस्कृति से रूबरू हो सकेगें। रेतील धोरों में टेंट लगाकर देशी–विदेची पर्यटकों को संस्कृति कैम्प फायर, मेला मैदान में पर्यटकों को रोका जायेगा।

ईको ट्यूरिज्म को बढ़ाने के लिए पुष्कर, उदयपुर, जोधपुर माउन्ट आबू में गोल्फ कोर्स बन रहे हैं। ईको एडवेंचर को बढ़ावा देने के लिए लिए नेवटा और कानोता बाँध जयपुर, बारेठा भरतपुर, कायलाना और सुरपुरा जोधपुर, हेमावास बाँध पाली और कोट बाँध उदयपुरवाटी में तैयार किया जा रहा है। इनमें स्पीडबोट, बोटहाउस काइंग और अन्य गतिविधियाँ प्रारम्भ हो गयी है।

**उदयपुर दूसरा विश्व का पसंदीदा शहर**

झीलों को नगरी उदयपुर अपनी खूबसूरती से देश ही नहीं बल्कि विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करती रहती है। यहां की झील, पहाड, जंगल की सुंदरता और यहां की आवभगत लोगों को खूब पसंद आती है। इसकी खूबसूरती दुनिया देखने के लिए दुगुनी संख्या में पहुंच गयी है।

**उद्देश्य**

- राजस्थान की ग्रामीण एवं शहरी संस्कृति से पर्यटकों को अवगत कराना।
- राजस्थान की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करना।
- आर्थिक स्थायित्व को बनाऐं रखना।
- विदेशी मुद्रा भण्डार में वृद्धि करना।
- राजस्व में वृद्धि करना।
- स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करना।
- स्थानीय लघु व कुटीर उद्योगों के उत्पादों को विक्रय करने में सहयोग करना।
- पर्यटन उद्योग को गति प्रदान करना।
- राजस्थान के रीति–रिवाज, परम्पराओं से विदेशी पर्यटकों को अवगत करना।
- राजस्थान में पर्यटन विकास से अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने की संभावनाओं का पता लगाकर उन्हें पूरा करना।

**साहित्य की समीक्षा**

राजस्थान और पर्यटन एक दूसरे के पर्याय है। यहां संतरंगी, संस्कृति गौरवशाली विरासत, टाइगर रिजर्वकला, शिल्प, किले, महल, रेगिस्तान, पहाड़ियाँ, टाइगर रिजर्व अभयारण्य, समेत पर्यटन के सभी आकर्षण है। अभयारण्यों के साथ एक समृद्ध सांस्कृतिक और वन्य जीवन का अनुभव शैलानियों को मिलता है। यह देखने के बाद प्रदेश में लाखों देशी–विदेशी पर्यटक घूमने आते हैं। यदि पर्यटन का इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान देकर पर्यटक सुविधाओं का विस्तार हो तो पर्यटकों की यह संख्या और बढ़ सकती है। पर्यटन के लिए बेहत्तर ईको, ग्रामीण, धार्मिक, सिस्टम विकसित किया जाना चाहिए।

## आंकड़ों में पर्यटन राजस्थान के सन्दर्भ में

राजस्थान में पर्यटक घूमने के साथ–साथ इतिहास, कला, साहित्य, संस्कृति, परम्पराऐं, रीति–रिवाज इत्यादि के बार में जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से घूमने आते है।

यहां पर्यटक दलों के रूप में जयपुर, अलवर, सीकर, सवाईमाधोपुर इत्यादि प्रसिद्ध स्थलों का अवलोकन कराया जाना चाहिए।

पर्यटन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 2024 की पहली छमाही में राजस्थान में पर्यटकों में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गत वर्ष राज्य में 18 करोड़ पर्यटकों के आगमन के साथ 66 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई थी। गत छः माह में विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी 37 प्रतिशत की बढ़त देखी गई है।

| क्र सं | वर्ष | पर्यटक (करोड में) | कितने बढे/घटे (प्रतिशत में) |
|---|---|---|---|
| 1. | 2018 | 5.19 | ..... |
| 2. | 2019 | 5.38 | 3.53 |
| 3. | 2020 | 1.55 | .71.09 |
| 4. | 2021 | 2.20 | 41.51 |
| 5. | 2022 | 10.87 | 393.68 |
| 6. | 2023 | 18.07 | 66.25 |
| 7. | 2024 | 20.05 | 10.93 |

(स्त्रोतः पर्यटन विभाग वार्षिक सूचना–2023–24)

परिकल्पना

- पर्यटक आऐंगे तो लोगों का जीवन स्तर सुधरेगा।
- लोगों को रोजगार प्राप्त होगा–जिससे उनका आर्थिक स्तर मजबूती होगा तथा उनका जीवन–स्तर सुधारा जायेगा।

## परिचर्चा

राजस्थान में ईको, ग्रामीण एवं धार्मिक पर्यटन की अपार सम्भावना है। प्रतिवर्ष राजस्थान में देशी एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो रही है। स्थानीय निवासियों और घूमने आने वाले लोगों से परिचर्चा के बाद ज्ञात हुआ कि पर्यटन स्थलों पर आने वाले – पर्यटकों की आने–जाने की सुविधा में सुधार होना चाहिए। पर्यटन स्थलों पर समुचित आवश्यक सुविधाओं का विस्तार किया जाना चाहिए। जिससे पर्याय आसानी से घूम सके तथा आवश्यक सुविधाओं का लाभप्राप्त कर सके। पर्यटकों को परिवहन शौचालय विश्रामस्थल, भोजन व्यवस्था के साथ उनकी सुरक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिए। यदि ऐसा किया जाता है तो निश्चिय ही पर्यटकों की संख्या में और अधिक वृद्धि होगी।

## सुझाव एवं निष्कर्ष

- विभिन्न शोधों से यह ज्ञात होता है कि पर्यटन उद्योगों से आर्थिक विकास को गति प्रदान करने देतु का योजना बन रही है।
- लेकिन देश में बढ़ती आबादी की तुलना में इतना विकास पर्यटन का नही किया गया। पर्यटन से राजस्थान की अर्थव्यवस्था की काफी संभावनाऐं है।
- बेहतर शौचालय व्यवस्था हो।
- पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था सुद्रढ़ हो।
- परिवहन सुविधाजनक होना चाहिए।
- पर्यटन स्थ्लों पर उनके बारे में पूर्ण जानकारी हों।

- प्रशिक्षित गाइडों की भर्ती होनी चाहिए।
- सोशल मीडिया पर पर्यटन स्थलों का पूर्ण विवरण हो।
- वीकेंड के समय व्यवस्था अच्छी होनी चाहिए।
- पर्यटन स्थलों पर ऑनलाईन बुकिंग व्यवस्था।

**संदर्भ ग्रन्थ सूची**

1. विकी पीडिया
2. विभिन्न वेब साइट
3. राजस्थान की अर्थव्यवस्था नाथु रामका
4. व्यास राजेश कुमार सांस्कृतिक पर्यटन
5. पर्यटन विभाग वार्षिक प्रतिवेदन 2024
6. आधुनिक पर्यटन एवं यात्रा के आधारभूत सिद्धांत (एक्सीलेंट रेफरेंस बुक)
7. पर्यटन, उद्‌भव और विकास – व्यास, शर्मा
8. Tourism Concepts Theory And Practice – Vally
9. Tourism Development – A.K. Bhatia
10. Cultural Tourism in India – S.P. Gupta, Krishna Lal

❑❑❑